मुख्य परीक्षा

प्रश्न- इस कथन का परीक्षण करें कि कुछ निश्चित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए केवल खर्च करने से ही काम नहीं चलेगा, यह भी देखना होगा कि खर्च का परिणाम क्या होगा? बजट के संदर्भ में चर्चा करें।

(200 शब्द)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:
- भूमिका में बजट के बारे में बतायें।
- अगले पैरा में बजट एवं सरकारी योजनाओं से संबंधित कुछ उदाहरण देते हुए परीक्षण करे कि निश्चित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए केवल खर्च करने से ही काम नहीं चलेगा, यह भी देखना होगा कि खर्च का परिणाम क्या होगा?
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

उत्तर- बजट आने वाले वर्ष के लिए अनुमानित खर्चों एवं प्राप्तियों से जुड़ा एक वार्षिक विवरण होता है। भारत के पूर्व वित्तमंत्री द्वारा कहा गया यह कथन, ''कुछ निश्चित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए केवल खर्च करने से ही काम नहीं चलेगा, यह भी देखना होगा कि खर्च का परिणाम क्या होगा।'' इस प्रकार के बजटिंग को परिणाम (Performance) बजटिंग के अन्दर देखा जाता है।

इस बजटिंग में यह ध्यान रखा जाता है कि कौन से मंत्रालय या विभाग द्वारा किन लक्ष्यों को बजट में रखा गया है। इस बजटिंग के अन्तर्गत संसदीय शक्ति को मजबूती मिलती है।

- खाद्यों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने किसानों को खाद्य सब्सिडी देनी शुरू की। हालांकि खाद्य के इस्तेमाल के अनुरूप कृषि उत्पादन में वृद्धि नहीं हुई। खाद्य के इस्तेमाल के एवज् में उत्पादन का न बढ़ना इस बात का सूचक है कि भारतीय कृषि में इसका अकुशल इस्तेमाल होता है।
- योजनागत और गैर योजनागत व्यय के विभाजन को समाप्त इसलिए किया गया है कि पूंजी आंवटन पर ही बल न देकर परिणाम पर भी बल दिया जाए।
- विभिन्न योजनाओं का लक्ष्य निर्धारण जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 5 वर्षों में सभी के लिए आवास तथा 2019 तक स्वच्छता का लक्ष्य केवल व्यय पर नहीं, अपितु परिणाम पर बल देते हैं।
- सरकार ने स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में बजट की एक निश्चित मात्रा की राशि खर्च की, लेकिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम नहीं देखने को मिल रहे हैं। हाँलाकि परिणाम के तौर पर जिला अस्पतालों के लिए भूमि आवंटन के लिए नीति आयोग ने विशेष ध्यान दिया है।